Navbharat Times - 23 May 2024

बढ़ते पारे के बीच होने लगी है पानी की कमी

Sudama.Yadav@timesgroup.com

- राजधानी में पानी का उत्पादन करीब 20 एमजीडी तक हुआ कम
- वॉटर लेवल नीचे जाने से रिजर्वायर से पानी नहीं खींच पा रहा है मोटर पंप
- वजीराबाद और चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से सप्लाई पर पड़ा असर

AI Image

दिल्ली में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के साथ ही वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी का उत्पादन 18-20 एमजीडी कम हो गया है। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की पानी की उत्पादन क्षमता 131 एमजीडी है, लेकिन इस प्लांट से पानी उत्पादन करीब 113 एमजीडी ही हो रहा है। इसी रिजर्वायर से पानी चंद्रावल प्लांट में भी ट्रीट करने के लिए जाता है। वहां भी पानी उत्पादन कुछ कम हो रहा है।

जल बोर्ड अफसरों के अनुसार पिछले साल जब यमुना नदी में बाढ़ आई थी, तो सबमर्सिबल प्रोजेक्ट का प्लान बनाया गया। प्लान के तहत अगर यमुना में पानी का लेवल कम भी होता है, तो ऑटोमैटिक सबमर्सिबल मशीनों के जरिए जहां पानी का लेवल ठीक है, वहां से पानी खींच कर पाइपों तक लाया जाएगा। ठीक ऐसा ही प्रोजेक्ट नर्मदा नदी पर लगाया गया है। नर्मदा नदी पर इस प्रोजेक्ट को तैयार करने वाली कंपनी में जल बोर्ड अफसरों के सामने प्रेजेंटेशन भी दिया गया था। लेकिन, प्रोजेक्ट पर काम उससे आगे नहीं बढ़ पाया। अब, धूप और गर्मी के चलते यमुना में वॉटर लेवल कम हो गया है, तो उस प्रोजेक्ट पर काम करने की बात एक बार फिर चर्चा में है।

जल बोर्ड अफसरों का कहना है कि यमुना का पानी वॉटर रिजर्वायर में लाया जाता है। वहां से पानी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में ले जाने के लिए 20 बड़े-बड़े मोटर्स पंप लगाए गए हैं। लेकिन मोटर पंप पानी को तब खींच सकते है, जब रिजर्वायर का लेवल 674.5 फीट या इससे अधिक हो। 671 फीट तक होने पर भी पानी को पंप से खींचा जा सकता है। लेकिन, इससे नीचे लेवल होने पर पंप पानी खींच नहीं पाते हैं। इसी के चलते वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में करीब 18-20 एमजीडी कम उत्पादन हो रहा है। चंद्रावल प्लांट में भी पानी उत्पादन कम हो रहा है। इसी के चलते पानी की कमी हो रही है।

Pioneer - 23 May 2024

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र, ओडिशा में बारिश की संभावना

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव वाला क्षेत्र बनने से ओडिशा के उत्तरी जिलों में बारिश होने की संभावना है। बुधवार को भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट से दूर बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है और 24 मई की सुबह तक दबाव में बदल जाएगा। आईएमडी ने कहा, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों से दूर बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। आईएमडी ने 24 मई से बालासोर जिले के अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (सात सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर) और अन्य उत्तरी ओडिशा जिलों में मध्यम वर्षा का अनुमान लगाया है। आईएमडी ने मछुआरों को 23 और 24 मई को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी है क्योंकि समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब होने की आशंका है। मछुआरों को 23 मई तक तट पर लौटने की सलाह दी गई है।मौसम विभाग ने कहा कि 22 मई को दक्षिण बंगाल की खाड़ी के ऊपर 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। 23 मई की सुबह से मध्य और इससे सटे दक्षिण बंगाल की खाड़ी में यह धीरे-धीरे बढ़कर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगा। आईएमडी ने कहा कि यह 24 मई की सुबह से 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में और 25 मई की सुबह से उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तर-पश्चिम और पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी में 24 घंटे तक चलेगा। ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) ने जिलाधिकारियों को सतर्क रखने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का अनुरोध किया।

Pioneer - 23 May 2024

भारी बारिश से थुम्बे बांध में जलस्तर बढ़ा, मंगलुरू में पानी की कटौती बंद

मंगलूरु। कर्नाटक के तटीय इलाकों में पिछले दो दिनों से जारी भारी बारिश के चलते मंगलूरु में जलापूर्ति के मुख्य स्रोत थुम्बे बांध में जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है जिसके बाद नगर निगम ने बुधवार से शहर में पानी की कटौती बंद करने का फैसला किया। मंगलूरु नगर निगम के आयुक्त सी एल आनंद ने पीटीआई-भाषा को बताया कि आज से नगर निगम ने शहर में पानी की कटौती बंद कर दी है।